एशिया में पहला एयरबस प्रशिक्षण केंद्र

drishtiias.com/hindi/printpdf/asias-first-airbus-training-centre

सन्दर्भ

भारत में यात्री विमानों की मांग तेजी से बढ़ रही है इसलिए यह आवश्यक हो गया है कि कुशल पॉयलटों और इंजीनियरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। एयरबस पॉयलटों और इंजीनियरों को प्रशिक्षित करने के लिए एक प्रशिक्षण केंद्र की आवश्यकता है ताकि कुशल श्रम शक्ति का विकास हो सके । इस उद्देश्य को पूरा करने हेतु भारत, यूरोप की प्रमुख विमानन कंपनी एयरबस के साथ मिलकर नई दिल्ली स्थित एयरोसिटी में एक प्रशिक्षण केंद्र खोलने जा रहा है | एयरबस का यह प्रशिक्षण केंद्र एशिया में अपनी तरह का पहला ऐसा केंद्र होगा |

प्रमुख बिंदु

- भारत सरकार के नागरिक विमानन मंत्री पी. अशोक गजपति राजू ने शुक्रवार 16 मार्च को यूरोप की प्रमुख विमानन कंपनी एयरबस द्वारा स्थापित किए जा रहे प्रशिक्षण केंद्र की आधारशिला रखी ।
- उल्लेखनीय है कि भारत में एयरबस के 250 से अधिक विमान संचालन में हैं और इंडियन एयरलाइन्स ने 570 से अधिक विमानों का आर्डर दिया है ।
- विमानन कंपनी एयरबस राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में पायलटों के प्रशिक्षण और रख-रखाव केंद्र की स्थापना के लिए 260 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है।
- कंपनी के मुताबिक यह केंद्र 2017 के अंत तक कार्यरूप में आ जाएगा।
- पहले चरण में चार ए320 विमानों के नमूनों को रखा जाएगा जिसका इस्तेमाल टाइप रेटिंग पाठ्यक्रम, कमांड ट्रेनिंग और रिफ्रेशर कोर्सेज के लिए किया जाएगा।
- इस केंद्र में दस वर्षों के भीतर करीब 8 हजार पायलटों और 2 हजार रख-रखाव इंजीनियरों को प्रशिक्षित करने की क्षमता होगी।
- वर्तमान में एयरबस बेंगलूरु में रखरखाव क्षेत्र में इंजीनियरों को प्रशिक्षित करता है। अब तक तकरीबन 2,750 इंजीनियरों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।
- कंपनी का आकलन है कि भारतीय बाजारों को अगले बीस वर्षों में 1,600 विमानों की आवश्यकता होगी, ऐसे में विमानन उद्योग के लिए प्रशिक्षित पायलट और इंजीनियर्स को जुटाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है ।
- दिल्ली में स्थापित होने वाला यह केंद्र इस मकसद में मदद करेगा। एयरबस (भारत) भारतीय विमानन उद्योग और एयरोस्पेस क्षेत्र में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर रहा है।
- अगले दस वर्षों तक औसतन हर एक सप्ताह एक एयरबस विमान भारतीय कंपनियों को मुहैया कराया जाएगा । ऐसे में उच्च गुणवत्ता प्रशिक्षण की आवश्यकता बनी रहेगी ।

- विदित हो कि वर्तमान में इंडिगो देश में एयरबस का सबसे बड़ा ग्राहक है। जबकि विस्तारा ने एयरबस ग्रुप इंडिया के साथ पाँच वर्षों के लिए विस्तारा के पायलटों को ए320 श्रेणी के विमान के प्रशिक्षण के लिए समझौते पर हाल ही में हस्ताक्षर किया है ।
- एयरबस कंपनी ने ग्राहकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण केंद्र को दिल्ली में स्थापित करने का फैसला किया है। क्योंकि एयरइंडिया, इंडिगो और विस्तारा के लिए दिल्ली एक प्रमुख स्थान है।

भारत में अभी विमानन क्षेत्र की विकास की शुरुआत हुई है, जिसमें आगे काफी तेजी आएगी। यह प्रशिक्षण केंद्र एशिया में पहला प्रशिक्षण केंद्र है| भारत में तेजी से बढ़ रहे विमानन क्षेत्र को बड़ी संख्या में पायलटों और मेंटनेंस इंजीनियरों की जरूरत है। एयरबस इंडिया प्रशिक्षण केंद्र (एआईटीसी) भारत की विमानन क्षेत्र की बढ़ती जरूरतें पूरी करने के लिये विमान चालक और रखरखाव इंजीनियरों को प्रशिक्षित कर इस उद्देश्य को पूरा करने में सहायक सिद्ध होगा।